University in News on 26 September 2024

JAGRAN CITY PAGE III

लवि के सभी विभागों में बनेंगे स्वच्छता दूत

जासं • लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के सभी विभागों में दो स्वच्छता दूत बनाए जाएंगे, जो वर्षभर स्वच्छता अभियान में सक्रिय रहेंगे। 25 सितंबर 2025 को तीन सर्वश्रेष्ठ स्वच्छता दूतों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक राय ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ समाज और समुदाय के विभिन्न वर्गों के साथ निरंतर काम कर रहा है। स्वच्छता दूत और समुदाय में स्वच्छता प्रेरक बनाने की यह पहल समाज और विश्वविद्यालय के विकास में अहम भूमिका निभाएगी।

उन्होंने समाज कार्य विभाग में शोधपीठ की ओर से आयोजित स्वच्छता सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ भी किया। शोधपीठ के निदेशक प्रो. राकेश द्विवेदी ने कहा कि शोध पीठ समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों से अपील की कि वे व्यक्तिगत सामाजिक उत्तरदायित्व समझें और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाने में योगदान दें। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों में भी स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कुछ शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को स्वच्छता दूत के रूप में चयनित कर उन्हें स्वच्छता किट और जैकेट दिए गए। स्वच्छता आधारित नुक्कड़ नाटक की भी प्रस्तुति दी गई।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

प्रो. आरके सिंह विधि विभाग में सदस्य बने

लखनऊ। लविवि के विधि विभाग में प्रोफेसर डॉ. आरके सिंह को विधि विभाग में सदस्य बनाया गया है। वह तीन वर्ष तक इस पद पर सेवा देंगे। उत्तर प्रदेश में किशोर न्याय नियम 2019 के नियम 87 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल ने उन्हें यह जिम्मेदारी दी है। प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। (संवाद)

'व्यावहारिक कौशल विकसित करें विद्यार्थी'

लवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने आइआइटी रुड़की के प्रबंधन अध्ययन विभाग के प्रो. एसएन रंगनेकर का स्वागत किया • सौजन्य से लवि

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय के प्रबंधन विभाग ने चाणक्य सभागार में 2024-2025 के एम.बी.ए बैच के स्वागत के लिए दो दिवसीय आन बोर्डिंग कार्यक्रम हुआ। इसका उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और मुख्य अतिथि आइआइटी रुड़की के प्रबंधन अध्ययन विभाग के प्रो. एसएन रंगनेकर ने किया। कुलपति ने कहा कि छात्रों को सीखने की प्रक्रिया को बदलने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मुख्य अतिथि प्रो. एसएन रंगनेकर ने छात्रों का ध्यान व्यावहारिक कौशल विकसित करने की ओर केंद्रित किया।

लवि : अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने किया दौरा

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग में बुधवार को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के एक समूह ने अकादमिक दौरा किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल एवं विभाग के छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के बीच संवाद सत्र भी हुआ। विभागाध्यक्ष डा. प्रविश प्रकाश ने पुस्तकालयों में उभरते रुझानों और सूचना पेशेवरों की बदलती भूमिकाओं के बारे में बताया। (जासं)

'टेक्नोलाजी से डरने की जगह उससे दोस्ती करें'

लखनऊ : कला एवं शिल्प महाविद्यालय में बुधवार को कला संवाद श्रृंखला के अंतर्गत इलेस्ट्रेशन एंड पब्लिकेशन डिजाइन विषय पर व्याख्यान हुआ। इसमें मुख्य वक्ता शीतल वर्मा ने थे। उन्होंने कहा कि टेक्नोलाजी को अपनाना वक्त की जरूरत है। इससे डरने की जगह दोस्ती करें। कालेज के प्राचार्य डा. रतन कुमार और वरिष्ठ शिक्षक आलोक कुमार ने उनका धन्यवाद दिया। (जासं)

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू समेत शैक्षिक संस्थानों में आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की ओर से स्वच्छता सेवा संकल्प अभियान का आयोजन हुआ। राधा कमल मुखर्जी सभागार में पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्मतिथि पर कुलपति ने शुभारंभ किया। वहीं बीबीएयू में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनएमपी वर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वदेशी के बहुत बड़े समर्थक थे। उनकी जीवन प्रणाली, कला, साहित्य, दर्शन सदैव भारतीय संस्कृति के प्रति न्योछावर रहा। भाषा विवि में भी संगोष्ठी हुई।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 6

स्वच्छता प्रेरक बनाने की पहल का कुलपति ने किया शुभारंभ

लखनऊ (एसएनबी)। पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्म तिथि के अवसर पर उनके नाम पर समाज कार्य विभाग में बनी शोध पीठ के तत्वावधान में स्वच्छता सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हुआ। लविवि के राधा कमल मुखर्जी सभागार में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य परिसर एवं आसपास के समुदायों में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाना था।

शोध पीठ के तत्वावधान में स्वच्छता सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ

मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने कहा कि शोधपीठ द्वारा निरंतर समुदाय एवं समाज के विभिन्न वर्गों के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है । भारत सरकार के आदेशों के अनुपालन में इस कार्यक्रम का आयोजन सराहनीय पहल है। शोधपीठ द्वारा विश्वविद्यालय में स्वच्छता दूत एवं समुदाय में स्वच्छता प्रेरक बनाने की यह अनोखी पहल अवश्य ही विश्वविद्यालय एवं समाज के विकास हेतु सार्थक सिद्ध होगी। आपने विश्वविद्यालय के सभी विभागों में दो स्वच्छता दूत बनाने का आदेश दिया जो कि वर्ष भर अपने विश्वविद्यालय, विभाग तथा अपने समुदाय के साथ मिलकर उन्हें स्वच्छ एवं स्वस्थ रखने का प्रयत्न करेंगे। प्रो. राय ने कहा कि तीन स्वच्छता दूतो को शोधपीठ द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक एवं समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी ने बताया कि शोध पीठ समुदाय एवं समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर कार्य करने के हेतु प्रतिबद्ध है तथा शोध पीठ द्वारा वर्षभर विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएगी, जिसमें की विश्वविद्यालय परिसर अपने संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन शोधपीठ के द्वारा पूर्ण करने का पूरा प्रयास करेगा। आपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि वह भी अपने व्यक्तिगत सामाजिक उत्तरदायित्व को समझे और अपनी क्षमता अनुसार श्रमदान द्वारा अपने आसपास के समुदाय एवं पर्यावरण को स्वस्थ व सुरक्षित रखने का संकल्प ले। लखनऊ विश्वविद्यालय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ द्वारा गोद लिए गए ग्रामों में भी हाइजीन कॉर्नर की स्थापना करके ग्राम तथा समुदाय में स्वच्छता से संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। कार्यक्रम में शोध पीठ द्वारा विश्वविद्यालय के कुछ शिक्षक, शोधार्थी तथा विद्यार्थियों को स्वच्छता दूत का जैकेट पहनकर उन्हें स्वच्छता किट प्रदान की गई। इन स्वच्छता दूतो ने अपने समुदाय, अपने विभाग तथा विवि परिसर को स्वच्छ रखने के लिए विभिन्न प्रकार से अपना सहयोग संकल्पित किया।

लविवि के राधा कमल मुखर्जी सभागार में आयोजित हुआ कार्यक्रम।

AMRIT VICHAR PAGE 4

अमेरिकी प्रतिनिधियों ने किया लविवि का दौरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के पुस्तकालय व सूचना विज्ञान विभाग में अमेरिकी प्रतिनिधियों के एक समूह का अकादमिक दौरा हुआ। जिसके अंतर्गत प्रतिनिधिमंडल तथा विभाग के छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के बीच एक संवाद सत्र का आयोजन किया गया।

इस सत्र का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ. प्रविश प्रकाश ने किया। जिसमें पुस्तकालयों में उभरते रुझानों और सूचना पेशेवरों की बदलती भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों में मोंटगोमरी फ्लॉयड, न्यूयॉर्क से कमाल खान और लोम्बार्डो एसोसिएट्स के आर्टिस्ट मैनेजर लुईस एहलर्स, क्षेत्रीय पुस्तकालय के निदेशक करीम खान शामिल थे। उन्होंने पुस्तकालय विज्ञान में वैश्विक सर्वोत्तम प्रचलित कार्य प्रणालियों और नवाचारों पर अपने विचार विभाग से साझा किए। छात्रों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया। साथ ही डॉ. प्रविश प्रकाश ने शैक्षणिक अनुभव को बढ़ाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। भविष्य में विभाग द्वारा विवि स्तर पर इस कार्य के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समझौता किया जायेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा करते अमेरिकी प्रतिनिधि। अमृत विचार

बाल संरक्षण आयोग के सदस्य बने लविवि के प्रोफेसर आरके सिंह

अमृत विचार : बाल संरक्षण आयोग के नए सदस्यों का चयन प्रदेश सरकार की ओर से कर लिया गया है। इसमें अध्यक्ष और सचिव के साथ कुल सात सदस्य बनाए गए हैं, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आरके सिंह को भी सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा लखनऊ से संदीप खरे और रेनू मिश्र को भी सदस्य के तौर पर नामित किया गया है। आयोग का कार्यकाल तीन वर्ष का होता है। प्रत्येक तीन वर्ष पर नए आयोग की नई कमेटी का गठन किया जाता है।

लिंग संवेदीकरण पर कार्यशाला का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में लिंग संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन हुआ। लिंग संवेदीकरण और उससे संबंधित कानूनों के विषय में जागरुकता बढ़ाने के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। लिंग संवेदीकरण से तात्पर्य है कि सभी लिंगों के प्रति समान व्यवहार करना और उनका सम्मान करना। लीगल ऐड सेंटर के मेंबर्स ने मौजूद लोगों को कुछ महत्वपूर्ण कानून के बारे में समझाया ताकि जानकारी के अभाव में किसी भी लिंग के मानव अधिकारों का हनन न हो। विधि संकाय में स्थापित विधिक सहायता केंद्र द्वारा डीन प्रोफेसर बीडी सिंह, केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी, हिंदी विभाग की डीन और आईसीसी की चेयरपर्सन प्रोफेसर (डॉ) रश्मि कुमार के नेतृत्व में कार्यक्रम की शुरुआत में लीगल ऐड सेंटर की मेंबर गरिमा भारद्वाज की ओर से लिंग संवेदीकरण क्या है इसके बारे में बताया गया।

एमबीए छात्रों के स्वागत को लेकर कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय के प्रबंधन विभाग ने 2024-2025 के एमबीए बैच के स्वागत के लिए दो दिवसीय ऑन-बोर्डिंग कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और मुख्य अतिथि आईआईटी रुड़की के प्रबंधन अध्ययन विभाग के प्रो. एस.एन. रंगनेकर के स्वागत के साथ हुई। इस अवसर पर दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के बाद विश्वविद्यालय कुलगीत का आयोजन किया गया। अपने स्वागत भाषण में डीन प्रो. संगीता साहू ने छात्रों का स्वागत किया। प्रो. आलोक कुमार राय ने उभरते प्रबंधकों के आगामी एमबीए बैच के लिए इस यात्रा में उनका मार्गदर्शन करने के लिए अपने ज्ञान के शब्द साझा किए। मुख्य अतिथि प्रो एसएन रंगनेकर ने अपने संबोधन में छात्रों को इस प्रतिष्ठित संस्थान में शामिल होने पर बधाई दी। उन्होंने छात्रों का ध्यान अपने भविष्य के निर्माण के लिए व्यावहारिक कौशल विकसित करने की ओर केंद्रित किया।

TOI PAGE 2

LU CAMPUS

LU workshop held on gender sensitization

The legal aid centre of the faculty of law, Lucknow University, organized a gender sensitization workshop at the department of Hindi, new campus on Wednesday. The event aimed to raise awareness about gender sensitization and related legal frameworks.

Students seek free bus services

Students of Lucknow University have demanded the UP govt to reinstate free bus services for students during college hours. They argued that this essential service will ease financial burdens and ensure timely transportation for students from various parts of the city. Saurabh Singh Bajrangi, a student leader, said, "The previous govt used to provide free bus services for students. We have submitted an application to the state transport minister, requesting for revival of the service."

'Adopt tech for better designs'

The College of Arts and Crafts, Faculty of Fine Arts, Lucknow University, organized a session under its Kala Samvad series on Wednesday, featuring renowned design expert Shital Verma. Verma delivered a lecture on the theme 'Illustration and Publication Design'. "Technology is no longer something to fear but a tool to embrace. The faster we adapt, the more creative and effective we become. Make technology your ally, not your obstacle, and you'll unlock endless possibilities in design and innovation," said Verma.

LU to promote clean environ on its campus

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: About 300 students of Lucknow University participated in a 'Swachhta Seva Sankalp Abhiyan' on Wednesday launched by department of social work to mark Pandit Deendayal Upadhyay's birth anniversary. The event aimed to promote a clean environment on the campus and surrounding areas. "In today's world, cleanliness is not just a responsibility but a mission. By appointing *Swachhta Do-*

LU VC (centre) Alok Kumar Rai with the team members

ots, we are empowering individuals to inspire their communities," said Alok Kumar Rai, Vice-Chancellor, LU. The research chair distributed cleanliness kits to '*Swachhta Doots*' who vowed to maintain cleanliness in their respective departments and communities. Twenty-five children from various communities were recognized as '*Swachhta Preraks*' and were given kits to promote hygiene. The event featured a street play by children, highlighting importance of cleanliness. A book based on thoughts of Pandit Deendayal Upadhyay was released.

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

अनोखी पहल : लविवि हर विभाग में बनाएगा दो स्वच्छता दूत

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। पं.दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

■ **स्वच्छता सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ**

समाज कार्य विभाग ने लखनऊ विश्वविद्यालय के राधा कमल मुखर्जी सभागार में पं.दीनदयाल उपाध्याय की जन्म दिवस के अवसर पर स्वच्छता सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर एवं आसपास के समुदायों में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाना था। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने कहा कि शोधपीठ द्वारा निरंतर समुदाय व समाज के विभिन्न वर्गों के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है। भारत सरकार के आदेशों के अनुपालन में यह आयोजन करना अत्यंत ही सराहनीय पहल है। शोधपीठ द्वारा विवि में स्वच्छता दूत एवं समुदाय में स्वच्छता प्रेरक बनाने की यह अनोखी पहल अवश्य ही विवि एवं समाज के विकास के लिए सार्थक सिद्ध होगी। विवि के सभी विभागों में दो स्वच्छता दूत बनाने का आदेश दिया जोकि वर्षभर अपने विवि विश्वविद्यालय, विभाग तथा अपने समुदाय के साथ मिलकर उन्हें स्वच्छ एवं स्वस्थ रखने का प्रयत्न करेंगे। प्रो.राय ने आगे बताया कि 25 सितंबर 2025 को विभिन्न मानकों पर खरे उतरे तीन स्वच्छता दूतो को शोधपीठ द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। अपने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, छात्रों एवं कर्मचारियों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर प्रतिभा करने की अपील की। कार्यक्रम में पं.दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक एवं समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.राकेश द्विवेदी ने बताया कि शोध पीठ समुदाय एवं समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा शोध पीठ द्वारा वर्षभर विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएगी। जिसमें की विश्वविद्यालय परिसर अपने संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन शोधपीठ के द्वारा पूर्ण करने का पूरा प्रयास करेगा। आपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि वह भी अपने व्यक्तिगत सामाजिक उत्तरदायित्व को समझे और अपनी क्षमता अनुसार श्रमदान द्वारा अपने आसपास के समुदाय एवं पर्यावरण को स्वस्थ व सुरक्षित रखने का संकल्प ले। लविवि, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ द्वारा गोद लिए गए ग्रामों में भी हाइजीन कॉर्नर की स्थापना करके ग्राम तथा समुदाय में स्वच्छता से संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। कार्यक्रम में शोध पीठ द्वारा विश्वविद्यालय के कुछ शिक्षक, शोधार्थी तथा विद्यार्थियों को स्वच्छता दूत का जैकेट पहनकर उन्हें स्वच्छता किट प्रदान की गई। इन स्वच्छता दूतो ने अपने समुदाय, अपने विभाग तथा विवि परिसर को स्वच्छ रखने के लिए विभिन्न प्रकार से अपना सहयोग संकल्पित किया।

शैक्षणिक अनुभवों को बढ़ाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग अहम

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग में अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के एक समूह का अकादमिक दौरा हुआ। जिसके अंतर्गत प्रतिनिधि मंडल तथा विभाग के छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के मध्य एक संवाद सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ.प्रविश प्रकाश ने किया। जिसमें पुस्तकालयों में उभरते रुझानों और सूचना पेशेवरों की बदलती भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों में मोंटगोमरी फ्लॉयड क्षेत्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालय निदेशक करीम खान, न्यूयॉर्क से कमाल खान, और लोम्बार्डो एसोसिएट्स के आर्टिस्ट मैनेजर लुईस एहलर्स शामिल थे। उन्होंने पुस्तकालय विज्ञान में वैश्विक सर्वोत्तम एवं प्रचलित कार्यप्रणालियों और नवाचारों पर अपने विचार विभाग से साझा किए। छात्रों ने चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके साथ ही डॉ.प्रविश प्रकाश ने शैक्षणिक अनुभवों को बढ़ाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस सत्र की सभी प्रतिभागियों द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की गई।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों द्वारा विभाग में संचालित पाठ्यक्रम की सराहना करते हुये पाठ्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए अपने सुझाव भी रखे एवम इस सम्बंध में विभाग को अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आमंत्रण भी दिया। भविष्य में विभाग द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर इस कार्य के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समझौता किया जायेगा।